* H D A - 0 0 1 - 0 0 1 3 1 0 0 *

HDA-001-0013100 Seat No. _____

B. A. (Sem. III) (CBCS) Examination

November / December – 2017

Hindi : Paper - 5

(छायावादी काव्य वैभव)

(Elective - 2) (Old Course)

Faculty Code : 001

Subject Code : 0013100

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

१ 'बीती विभावरी जाग री' कविता में प्रकृति–शृंगार और राष्ट्रीयता का त्रिवेणी संगम हुआ है – समझाइए । १४

अथवा

१ 'हिमाद्री तुंग शृंग से' कविता का भावार्थ लिखिए । १४

२ 'भारत देश' कविता का भावार्थ लिखते हुए कविता में निरुपित राष्ट्रप्रेम पर प्रकाश डालिए । १४

अथवा

२ 'प्रथम रश्मि' काव्य का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए । १४

३ 'ताज' कविता में व्यक्त कवि के विचारों को विवेचित कीजिए । १४

अथवा

३ 'भारतमाता' में वर्णित देश का चित्र आलेखित कीजिए । १४

४ 'जागो फिर एक बार' कविता का भावार्थ लिखते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । १४

अथवा

४ 'तोड़ती पत्थर' काव्य में वर्णित नारी की वेदना को अपने शब्दों में लिखिए । १४

५ किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए । १४

(१) 'भिक्षुक' काव्य में वर्णित वेदना का चित्रण ।

(२) 'मैं नीर भरी दुःख की बदली' काव्य का भाव–जगत ।

(३) 'मधुर–मधुर मेरे दीपक जल' काव्य का भावपक्ष ।

(४) 'बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ' काव्य का भावार्थ ।